युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
नवम्बर, 2013 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

नवम्बर मास का चार्ट:
लक्ष्य – निश्चय बुद्धि विजयन्ती।

निश्चय ही विजय का आधार है। निश्चय ही नशा की नींव है। निश्चय ही धारणा का बल है। इस ज्ञान मार्ग में चार विषय में निश्चय का होना अनिवार्य है। स्वयं में निश्चय आत्मा विश्वास बढ़ाता है। परमात्मा में निश्चय आत्मा को पूर्णता की ओर अग्रसर करता है। ड्रामा में निश्चय हमें निश्चिंत बनाता है और ब्राह्मण परिवार में निश्चय हमें सर्व के प्रति शुभ और श्रेष्ठ व्यवहार करने हेतु प्रेरणा देता है।

तो आईए, हम सम्पूर्ण निश्चय बुद्धि बन, निश्चित विजय को प्राप्त करें।

विधि :

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ**
पहला	स्वयं में निश्चय
दूसरा	बाबा में निश्चय
तीसरा	ड्रामा में निश्चय
चौथा	ब्राह्मण परिवार में निश्चय

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चिन्तन करके कम से कम 10 लाईनें लिखनी है। फिर सारे दिन में उसे धारण करने का अभ्यास करना है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % निश्चय बुद्धि रहे और अनुभव लिखना है।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का 'निश्चय बुद्धि' का क्लास रखें और चारों निश्चयों पर वर्कशोप करायें। उनके ग्रुप्स बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. स्वयं में निश्चय अर्थात् क्या?
2. उनकी निशानियाँ क्या होगी?
3. उसके फायदें एवं प्राप्तियां क्या है?

❖फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी 9. निश्चय बुद्धि - 50%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. एक बल एक भरोसा।
2. सर्व के प्रति शुभ भावना रखेंगे।

- अभ्यास: हर घण्टे 1 मिनट शान्ति, ईश्वरीय प्रेम, खुशी, शक्ति के प्रकम्पन्न विश्व में फैलायें।
- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा सफलतामूर्त हूँ।	16. मैं आत्मा अचल-अड़ोल हूँ।
2. मैं आत्मा विजयी हूँ।	17. मैं आत्मा समर्थ हूँ।
3. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।	18. मैं आत्मा ऑलराउन्ड पार्टधारी हूँ।
4. मैं आत्मा महात्मा हूँ।	19. मुझ आत्मा का हर बात में कल्याण है।
5. मैं आत्मा विशेष पार्टधारी हूँ।	20. मैं आत्मा मास्टर त्रिकालदर्शी हूँ।
6. मैं आत्मा सर्व श्रेष्ठ हूँ।	21. मैं आत्मा कल्प वृक्ष की जड़ों में हूँ।
7. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।	22. मैं आत्मा शुभ चिन्तक मणि हूँ।
8. मैं आत्मा कम्बाईन्ड हूँ।	23. मैं आत्मा सर्व को सम्मान देने वाली हूँ।
9. मुझ आत्मा का साथी स्वयं भगवान है।	24. मैं आत्मा गुणग्राही हूँ।
10. मैं आत्मा भगवान का चुना हुआ फूल हूँ।	25. मैं आत्मा ब्राह्मण कुल भूषण हूँ।
11. मैं आत्मा भगवान के नयनों का नूर हूँ।	26. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।
12. मैं आत्मा परमात्मा दिलतख्तनशीन हूँ।	27. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।
13. मैं आत्मा परमात्मा के गले का हार हूँ।	28. मैं आत्मा कर्मयोगी हूँ।
14. मैं आत्मा परमात्मा का सिरताज़ हूँ।	29. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
15. मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ।	30. मैं आत्मा उदाहरणमूर्त हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ **सेन्टर का नाम:**_____ DiDar No:_____

गुड मॉर्निंग-90% **अमृतवेला-75%**

व्यायाम/पैदल-80% **ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**

मुरली क्लास-90% **नुमाशाम का योग-80%**

स्वमान की स्मृति-75% **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**

निश्चय बुद्धि -50% **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।